चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.06.2020	04	07-08

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दिए निर्देश

इस बार स्टूडेंट्स को ऑनलाइन मार्कशीट देगा एचएयू प्रशासन

भास्कर न्यूज | हिसार

कोरोना वायरस से बचाव व मद्देनजर छात्रों को घर बैठे सुविधा उपलब्ध कराने को हिसार के एचएयू ने अब ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के छात्र एवं छात्राओं को प्रिंटेड की बजाय ऑनलाइन मार्कशीट दी जाएगी।

एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह

यही नहीं प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों का रिजल्ट भी ऑनलाइन ही पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस संबंध में कुलपति ने दिशा निर्देश दिए हैं। दरअसल, कोरोना के चलते लॉकडाउन चल रहा है। इसके कारण विश्वविद्यालय भी बंद चल रहे हैं। एचएयू में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बंद है। ऑनलाइन ही छात्र-छात्राओं की पढ़ाई कराई जा रही है।कुलपति प्रो. के पी सिंह ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए ऑनलाइन छात्रों को मार्कशीट देने का निर्णय लिया है। फाइनल ईयर के स्टूडेंट को भी ऑनलाइन मार्कशीट दी जाएगी। इससे न केवल मार्कशीट के प्रिंट पर होने वाले खर्च में कटौती होगी बल्कि छात्रों को हाथों-हाथ मार्कशीट मिल सकेगी।

वेबिनार से किसानों को जागरूक कर रहा एचएयू

लॉकडाउन के दौरान से ही एचएयू किसानों को फसलों में होने वाले विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक कर रहा है। अभी तक 15 वेबिनार आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा चुका है। कुलपति का कहना है कि भविष्य में भी वेबीनार के माध्यम से किसानों को जागरूक किया जाएगा। उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

परीक्षा की तारीख को लेकर चल रहा मंथन

एचएयू के विद्यार्थियों की फाइनल वर्ष की परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन में विचार-विमर्श चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि इस संबंध में जल्द ही विश्वविद्यालय प्रशासन की बैठक हो सकती है। बैठक में परीक्षा को लेकर निर्णय लिया जाएगा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.06.2020	04	05-07

कोरोना से निपटने के लिए एचएयू करेगा शोध किसानों व ग्रामीणों को किया जाएगा अवेयर

कुलपति के निर्देश पर रिसर्च टीम गठित की गई

महबूब अली | हिसार

कोरोना की चुनौती से निपटने के लिए हिसार का एचएयू व उससे जुड़े कॉलेज जल्द शोध करेंगे। साथ ही कोरोना से लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए उपाय भी तैयार किए जाएंगे। इसको लेकर विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय और संबंधित कॉलेजों को रिसर्च टीम गठित करने के निर्देश दिए। यही नहीं विभिन्न आसपास के गांव में जाकर ग्रामीणों का किसानों को जागरूक करने को भी कहा है। दरअसल, कोरोना से निपटने के लिए अधिक समझ, बचाव व सहयोग की आवश्यकता है। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने निर्देश दिए कि वह जल्द टीम गठित करें एवं गांव में जाकर देखें कि लॉकडाउन के दौरान किस तरह से ग्रामीणों ने बचाव किया।

जागरूक करने वाले लोगों का ब्योरा तैयार होगा

कुलपति प्रो. केपी सिंह का कहना है कि कोरोना काल में लोगों को बचाव के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका निभाने वाले विभिन्न ग्रामीणों एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी ब्यौरा तैयार किया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों से भी डिस्टेंस से लेकर मास्क लगाने व अन्य बचाव के उपाय बताए जाएंगे। शोध व सर्वे का मुख्य उद्देश्य लोगों को कोरोना वायरस से बचाना है। जिन स्थानों पर लोग जागरूक नहीं है, उन्हें जागरूक करना है।

इन बिंदुओं पर शोध

- गांव में कोविड-19 के प्रति जागरूकता का स्तर कितना है।
- चुनौती से निपटने को लोग कैसे लड़ रहे हैं।
- ग्रामीण स्तर पर रणनीति कौन सी अपनाई गई है।

कोरोना को हराने और छात्रों एवं किसानों को समाज से जोड़ने के लिए अच्छी पहल है। इससे छात्रों के साथ शिक्षकों को भी शामिल होना होगा। कोरोना के खतरे के बीच सुरक्षा उपाय व सावधानियां बरतनी, शोध व अध्ययन संभव है। शोध के लिए टीम गठित कर दी गई है।'' – **प्रो. केपी सिंह,** कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	17.06.2020	--	--

एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा निमेटोड, कीट, मृदाजनित बीमारियों को कम करने के लिए विकसित की ग्राफ्टिंग तकनीक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 17 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के मार्गदर्शन में सब्जी विज्ञान विभाग में 2018 में 175 लाख की राशि की एक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिससे न केवल हरियाणा बल्कि देश में भी निकट भविष्य में ग्राफ्टिंग तकनीक के अनुसंधान कार्य और व्यवसायीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना का संचालन डॉ. एस. के. सहरावत के नेतृत्व में अनुसंधान निदेशालय द्वारा किया जा रहा है। इसके अंतर्गत किया जा रहा शोध कार्य ना केवल हरियाणा बल्कि देश के सभी किसान भाईयों के लिए उपयोगी होगा जो सब्जी उत्पादन से जीविका कमा रहे हैं। प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि हरियाणा में एक बार पहचाने जाने वाले प्रतिरोधी रूटस्टॉक्स न केवल कृषि-रसायनों पर निर्भरता को कम करेंगे बल्कि इस तकनीक के साथ हमारे किसानों की प्रमुख समस्याओं के समाधान की पेशकश करेंगे जिन्हें वर्तमान परिदृश्य में स्थायी सब्जी उत्पादन के लिए रसायनों के सीमित उपयोग के साथ पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। उन्होनें बताया कि हरियाणा और आस-पास के क्षेत्रों में रूटस्टॉक्स की पहचान के उद्देश्यों के साथ अनुसंधान कार्य शुरू किया गया है जो हमारे क्षेत्र की प्रचलित समस्याओं जैसे कि संरक्षित खेती में निमेटोड की समस्या, कुछ क्षेत्रों में लवणता या क्षारयता की समस्या, कुकुर्बिट्स और सॉलानसियस सब्जियों में

फ्यूसैरियम या बैक्टीरियल विल्ट की समस्या इत्यादि। इसके साथ-साथ पौधे की शक्ति और उपज में वृद्धि के लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं। सब्जियों में ग्राफ्टिंग के फायदे निम्नलिखित फायदे हो सकते हैं जैसे कि रोगप्रतिरोध /सहनशीलता, नेमाटोड प्रतिरोध / सहनशीलता, उपज में वृद्धि, कम तापमान व उच्च तापमान के प्रति सहिष्णुता, उच्च नमक सहिष्णुता, बाढ़ सहिष्णुता, उन्नत पोषक तत्व का बढ़ना, विकास को बढ़ावा देना, भारी धातु और जैविक प्रदूषक सहिष्णुता, गुणवत्ता में बदलाव, प्रदर्शनी और शिक्षा के लिए सजावटी मूल्य, विस्तारित फसल अवधि इत्यादि शामिल हैं। इस संदर्भ में सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया एवं डॉ. विनोद बत्तरा पूर्व विभागाध्यक्ष ने बताया कि ग्राफ्टिंग प्रणाली में अनुसंधान का कार्य डॉ. इन्दु अरोड़ा, परियोजना अधिकारी द्वारा किया जा रहा है। इस तकनीक के प्रचलन के साथ ही किसानों की आय को भी बढाया जा सकेगा व सब्जी उत्पादकों को इससे विशेषत: काफी लाभ होगा और इस दिशा में सब्जी विज्ञान विभाग में शोध कार्य निरंतर जारी रहेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	17.06.2020	--	--

पहल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग की पहल

मृदाजनित बीमारियां कम करने को ग्राफ्टिंग तकनीक विकसित

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग में 2018 में 175 लाख की राशि की एक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिससे न केवल हरियाणा बल्कि देश में भी निकट भविष्य में ग्राफ्टिंग तकनीक के अनुसंधान कार्य और व्यवसायीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना का संचालन डॉ. एसके सहरावत के नेतृत्व में अनुसंधान निदेशालय द्वारा किया जा रहा है। इसके अंतर्गत किया जा रहा शोध कार्य ना केवल हरियाणा बल्कि देश के सभी किसान भाईयों के लिए उपयोगी होगा जो सब्जी उत्पादन से जीविका कमा रहे हैं।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हरियाणा में एक बार पहचाने जाने

वाले प्रतिरोधी रूटस्टॉक्स न केवल कृषि-रसायनों पर निर्भरता को कम करेंगे बल्कि इस तकनीक के साथ हमारे किसानों की प्रमुख समस्याओं के समाधान की पेशकश करेंगे जिन्हें वर्तमान परिदृश्य में स्थायी सब्जी उत्पादन के लिए रसायनों के सीमित उपयोग के साथ पर्यावरण के अनुकूल माना जाता है। उन्होनें बताया कि हरियाणा और आस-पास के क्षेत्रों में रूटस्टॉक्स की पहचान के उद्देश्यों के साथ अनुसंधान कार्य शुरू किया गया है जो हमारे क्षेत्र की प्रचलित समस्याओं जैसे कि संरक्षित खेती में निमेटोड की समस्या, कुछ क्षेत्रों में लवणता या क्षारयता की समस्या, कुकुर्बिट्स और सॉलानसियस सब्जियों में फ्यूसैरियम या बैक्टीरियल विल्ट की समस्या इत्यादि। इसके साथ-साथ पौधे की शक्ति और उपज में वृद्धि के लिए भी प्रयास किये जा रहे हैं।

ग्राफ्टिंग एक अनूठी बागवानी तकनीक है जिसका उपयोग दुनियाभर में मिट्टी से पैदा होने वाली बिमारियों और कीटों को दूर करने के लिए या विभिन्न पर्यावरणीय तनाव परिस्थितियों में पौधे की शक्ति बढ़ाने के लिए किया जाता है। आज सब्जियों में ग्राफ्टिंग अधिक महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि फसल चक्र या मिट्टी के धूमन के विकल्प सीमित हैं। ग्राफ्टिंग का उपयोग पर्यावरणीय तनाव जैसे लवणता, सूखा, बाढ़ और तापमान को कम करने के लिए भी किया जाता है। तरबूज फसल के संदर्भ में जापान, कोरिया, दक्षिणी स्पेन, दक्षिणी इटली, तुर्की और ग्रीस में उत्पादित लगभग सभी तरबूजों को ग्राफ्ट किया जाता है।